अनमोल वाणी

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो [PAGE 24]

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q 1 | Page 24

कृति पूर्ण करो :

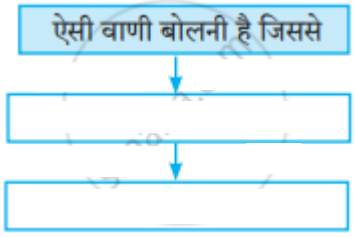

Solution:

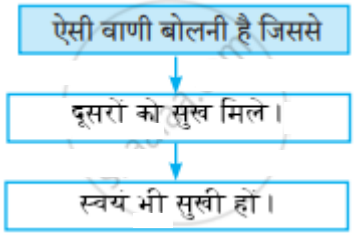

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (२) १. | Page 24

कविता में इस अर्थ में आए शब्द लिखो :

ठंडा

Solution: ठंडा - **शीतल**

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (२) २. | Page 24

कविता में इस अर्थ में आए शब्द लिखो :

कोई

Solution: कोई - **कोय**

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (२) ३. | Page 24

कविता में इस अर्थ में आए शब्द लिखो :

बलराम

Solution: बलराम - **बल, हलधर**

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (२) ४. | Page 24

कविता में इस अर्थ में आए शब्द लिखो :

मक्खन

Solution: मक्खन - **माखन**

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (३) | Page 24

कृति पूर्ण करो :

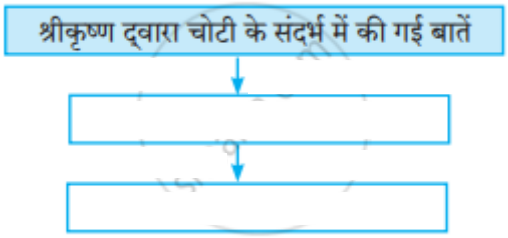

Solution: श्रीकृष्ण द्वारा चोटी के संदर्भ में की गई बातें

१. चोटी कब बढ़ेगी?

२. कितना समय हो गया दूध पीते हुए फिर भी यह चोटी छोटी ही है।

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (४) | Page 24

'भोजन का प्रभाव'- टिप्पणी लिखो।

Solution: भारतीय परंपराओं के अनुसार भोजन सिर्फ हमारे शरीर की आवश्यकता नहीं है, अपितु इसका असर हमारे मन पर भी पड़ता है। इसी कारणवश भोजन को सात्विक, राजसिक व तामसिक भोजन ऐसी तीन श्रेणियों में बाँटा गया है। कहा जाता है, 'जैसा खाए अन्न, वैसा बने मन' अर्थात हम जैसा भोजन ग्रहण करते हैं, उसके अनुरूप हमारे तन व मन पर प्रभाव पड़ता है। जैसे यदि हम सात्विक भोजन करते हैं, तो हमारे मन में दया, क्षमा, प्रेम जैसे भाव अधिक होते हैं। राजसिक भोजन करने से आवेश, कामुकता, तनाव, आलस्य जैसे भाव व्यक्ति में बढ़ जाते हैं। इसके अलावा तामसिक भोजन करने वाले व्यक्तियों में क्रोध, हिंसा, उत्तजेना जैसे भाव बहुत अधिक होने की संभावना होती है। इस तरह यह कहा जा सकता है कि भोजन का हमारे शरीर व मन दोनों पर बहुत प्रभाव पड़ता है।

कल्पना पल्लवन [PAGE 24]

कल्पना पल्लवन | Q 1 | Page 24

पानी, वाणी, दूध इन शब्दों का उपयोग करते हुए कोई कविता लिखो।

Solution: दीदी मेरी बड़ी सयानी,
बोले हरदम मीठी वाणी।
दूध-भात है उसको भाता,
लुका-छिपी में मजा है आता।
वर्षा ऋतु जब आती है,
पानी में उधम मचाती है।
पढ़ने-लिखने में बहुत है तेज,
बोले अंग्रेजी जैसे अंग्रेज।
मेरी दीदी है सबसे प्यारी,
मेरी तो दुनिया है सारी।

भाषा बिंदु [PAGE 24]

भाषा बिंदु | Q 1 | Page 24

पाठों में आए अलग-अलग काल के वाक्य ढूँढ़कर उनका अन्य कालों में परिवर्तन करो।

Solution: पाठ में आए वाक्य व उनका काल-भेद :

१.	अल्पज्ञ पिता बड़ा दयनीय जीव होता है।	(सामान्य वर्तमानकाल)
२.	मनुष्य किस ओर बढ़ रहा है?	(अपूर्ण वर्तमानकाल)
३.	ढेरों दाने भंडार में रखे हैं।	(पूर्ण वर्तमानकाल)
४.	राजा रथ पर सवार हो गया।	(सामान्य भूतकाल)
५.	राष्ट्रीय ध्वज लेकर नगर में प्रभात फेरी भी करता था।	(अपूर्ण भूतकाल)
६.	तुम चारों को गेहूँ के सौ-सौ दाने दिए थे।	(पूर्ण भूतकाल)
७.	राजा उसे ही अपना राजपाट साैंपेगा।	(सामान्य भविष्यकाल)
८.	सभी खुश हो रहे होंगे।	(अपूर्ण भविष्यकाल)
९.	खिड़कियाँ खुली रह गई होंगी।	(पूर्ण भविष्यकाल)

परिवर्तित काल के वाक्य :

१.	अल्पज्ञ पिता बड़ा दयनीय जीव होता था।	(अपूर्ण भूतकाल)
२.	मनुष्य किस ओर बढ़ चुका है?	(पूर्ण वर्तमानकाल)
३.	ढेरों दाने भंडार में रख चुके होंगे।	(पूर्ण भविष्यकाल)
४.	राजा रथ पर सवार हो रहा है।	(अपूर्ण वर्तमानकाल)
५.	राष्ट्रीय ध्वज लेकर नगर में प्रभात फेरी भी करता है।	(सामान्य वर्तमानकाल)
६.	तुम चारों को गेहूँ के सौ-सौ दाने दिए।	(सामान्य भूतकाल)
७.	राजा उसे ही अपना राजपाट साैंप रहा होगा।	(अपूर्ण भविष्यकाल)
८.	सभी खुश हो चुके थे।	(पूर्ण भूतकाल)
९.	खिड़कियाँ खुलेंगी।	(सामान्य भविष्यकाल)

उपयोजित लेखन [PAGE 24]

उपयोजित लेखन | Q 1 | Page 24

'आगे कुआँ पीछे खाई' कहावत का अर्थ लिखकर उससे संबंधित कोई प्रसंग लिखो।

Solution: अर्थ : चारों ओर संकट से घिर जाना।

प्रसंग : मेरा दोस्त अविनाश कुछ समय पहले तक मेरे पड़ोस में ही रहता था। उसका एक छोटा भाई है मनीष। अजय व मनीष दोनों भाइयों की शादी हो चुकी है। अविनाश बड़ा है और वीरेश करीब पाँच साल छोटा है। वीरेश की शादी हुए अभी दो साल ही हुए थे। दोनों भाइयों में अथाह प्रेम था। दोनों की पत्नियाँ भी शुरू-शुरू में बड़े प्रेम से रहती थीं, लेकिन समय के साथ ही दोनों एक-दूसरे की शक्ल देखना भी नापसंद करने लगीं। दोनों ने बँटवारे का निर्णय ले लिया और अपने-अपने पतियों को ऐसा करने पर मजबूर करने लगीं।

दोनों भाइयों ने अपनी-अपनी पत्नियों को समझाने का बहुत प्रयास किया, लेकिन किसी ने एक न मानी। दोनों भाइयों ने कोई ठोस निर्णय लेने के लिए एक साथ बैठकर सलाह-मशविरा किया। अविनाश ने कहा कि यदि बँटवारा होता है, तो दोनों भाइयों के बीच में दीवार पैदा हो जाएगी और यदि बँटवारा नहीं होता है, तो घर की औरतों में कलह बढ़ेगा। दोनों के सामने 'आगे कुआँ पीछे खाई' की स्थिति पैदा हो गई थी। अंतत: दोनों ने परिवार की सुख-शांति के लिए अपने-अपने दिलों पर पत्थर रखकर अलग्योझा करने का निर्णय लिया। कुछ समय पहले ही दोनों भाइयों मे शांतिपूर्वक अलग्योझा हुआ। पहले दोनों भाई अपने पुश्तैनी मकान में एक साथ रहते थे, लेकिन अब दोनों ने उसी क्षेत्र में अपना-अपना किराए का मकान ले लिया है। उन्होंने अपना पुराना पुश्तैनी

मकान भी बेच दिया। दोनों भाइयों की पत्नियाँ अब एक-दूसरे से दूर हो गई हैं, लेकिन भाइयों का दिल अब भी एक-दूसरे के लिए धड़कता है। अक्सर दोनों एक-दूसरे से मिलते हैं और जरूरत पड़ने पर एक-दूसरे की सहायता भी करते हैं।

उपयोजित लेखन | Q 2 | Page 24

मैंने समझा

_____

_____

_____

Solution: जीवन में सद्‌गुणों को अपनाते हुए नम्रता के साथ सच्चाई व ईमानदारी की राह पर चलना चाहिए।

स्वयं अध्ययन [PAGE 24]

स्वयं अध्ययन | Q 1 | Page 24

'हाफ मैराथन' में सफलता प्राप्त करने के लिए कौन-कौन-सी तैयारियाँ करोगे, लिखो।

Solution: 'हाफ मैराथन' में सफलता प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित निर्देशों का पालन कर तैयारी कर सकते हैं :

१. अच्छे प्रशिक्षक का मार्गदर्शन।

२. संतुलित भोजन करना।

३. दौड़ का अधिकाधिक अभ्यास।

४. दिनचर्या की समय-सारिणी बनाना व उसका अनुसरण करना।

५. जंकफूड से दूर रहना।

६. किसी भी प्रकार का व्यसन न करना।

७. स्वास्थ्यवर्धक खाद्यपदार्थों का संतुलित सेवन करना